मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

08 अक्टूबर 2025

वर्ष - 03, अंक - 23 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

Periodicity- Weekly

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

नीमच एग्जीबिशन में नकली चांदी बेचने का आरोप

सर्राफा व्यापारियों ने किया हंगामा, पुलिस ने कराया समझौता

नीमच । सीएसवी अग्रोहा भवन में लगे 'स्टाइलिस्टा एग्जीबिशन' में सोमवार देर शाम उस समय हंगामा हो गया, जब स्थानीय सराफा व्यापारियों ने एक ज्वेलरी स्टॉल पर नकली चांदी बेचने का आरोप लगाया। पुलिस हस्तक्षेप के बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया।

यह एग्जीबिशन इंदौर की चंदा नामक महिला द्वारा लगाया गया था। आरोप 'पुनन्यासी जवेलर्स' नामक दुकान पर लगा, जिसके संचालक गगन जैन हैं। सराफा व्यवसायी कृष्ण गोपाल गर्ग ने आरोप लगाया कि गगन जैन ने उनकी पत्नी को 60% चांदी बताकर नकली चांदी बेच दी थी।

इस धोखाधड़ी के विरोध में सभी स्थानीय व्यापारी एकजुट होकर एग्जीबिशन स्थल पर पहुंचे और पुनन्यासी जवेलर्स के स्टॉल पर प्रदर्शन किया। हंगामे को देखते हुए सबसे पहले जीएसटी टीम मौके पर पहुंची। जीएसटी अधिकारी देवेंद्र परिहार ने बताया कि वे जीएसटी नियमों की जांच के लिए आए थे, लेकिन चांदी की प्रामाणिकता की जांच उनके विभाग के कार्यक्षेत्र में नहीं आती।

पुलिस ने संभाला मामला – जीएसटी टीम के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस दोनों पक्षों – सराफा व्यापारी कृष्ण गोपाल गर्ग और पुनन्यासी जवेलर्स के संचालक गगन जैन – को बातचीत के लिए कैंट थाने ले गई। थाने में लगभग दो घंटे तक चली बातचीत के बाद देर रात दोनों पक्षों के बीच आपसी समझौता हो गया।

गलतफहमी हुई थी – दुकान मालिक गगन जैन ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि यह पूरी घटना गलतफहमी के कारण हुई। उन्होंने समझौते की पुष्टि की। समझौते के बाद सराफा व्यापारियों ने अपना विरोध प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

सड़क हादसे में फैक्टरी से लौट रहे मजदूर की मौत

नीमच में जैतपुरा चौराहे के पास एक वाहन ने मारी थी टक्कर

नीमच । नीमच सिटी थाना क्षेत्र में सोमवार शाम एक सड़क हादसे में 23 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान हर्कीयाखाल निवासी तनिष पिता सुनील पाटीदार के रूप में हुई है, जो धानुका फैक्टरी में कार्यरत था।

पुलिस के अनुसार, तनिष शाम करीब 7 बजे धानुका फैक्टरी से ड्यूटी खत्म कर बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान जैतपुरा चौराहे के पास एक वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि तनिष गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद उसे एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मंगलवार दोपहर नीमच सिटी पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर वाहन चालक की तलाश और आगे की जांच शुरू कर दी है।

नपा परिषद की बैठक में 10 करोड़ 80 लाख से अधिक के विकास कार्यों को मिली मंजूरी, सभी 24 प्रस्ताव सर्वानुमति से पास

नपाध्यक्ष श्रीमती चोपड़ा ने 40 वर्षो बाद 2 कॉलोनी के विकास हेतु टीएनसीपी से अनुमोदन पर दी बधाई

नीमच । नगर पालिका परिषद नीमच का विशेष सम्मेलन सोमवार 6 अक्टूबर को बंगला नंबर 60 स्थित परिषद हाल में अध्यक्ष श्रीमती स्वाति-गौरव चोपड़ा की अध्यक्षता व मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया की उपस्थिति में संपन्न हुआ। परिषद के इस विशेष सम्मेलन के एजेंडे में शामिल 10 करोड़ 82 लाख 63000 से अधिक राशि के विकास कार्य सहित सभी 24 प्रस्तावो को परिषद के सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया, जिससे अब शहर का विकास और तेजगति से हो सकेगा। विशेष सम्मेलन के अंत में नपाध्यक्ष श्रीमती चोपड़ा ने परिषद से स्वीकृत दो नवीन कॉलोनी, जमीन को अतिक्रमण से मुक्त करा कर आवासीय एवं व्यावसायिक कॉलोनी परिषद से स्वीकृति उपरांत टीएनसीपी से स्वीकृति मिलने पर परिषद के सदस्यों को कालोनी का नक्शा बताते हुए सभी को बधाई दी और कहां की जल्द ही दोनों कॉलोनी अस्तित्व में आती नजर आएगी, जिससे शहरवासियों के आवास की समस्या दूर होगी।

सोमवार को आहुत हुए नगर पालिका परिषद नीमच के विशेष सम्मेलन में प्रधानमंत्री आवास एएचपी घटक के यहां पेवर ब्लॉक लगाने हेतु 32 लाख 10378 रू., वार्ड क्रमांक 6 नाथूखेड़ी एवं यादव मंडी में आश्रय निधि से 68 लाख 55000 रू. का कार्य कराए जाने, वार्ड क्रमांक 14 में प्राइवेट बस स्टैंड पुलिया निर्माण हेतु 1 करोड़ 49 लाख 23771 रू. की वित्तीय स्वीकृति, वार्ड क्रमांक 1 रावण रुंडी में 1 करोड़ 2 लाख 79137 रू. के सीसी रोड एवं नाली निर्माण की स्वीकृति, शिक्षा उपकर की राशि 2 करोड़ 18 लाख 38 000 से विद्यालयों में विभिन्न कार्य कराए जाने, वार्ड क्रमांक 14 स्थित शहाबुद्दीन बाबा रोड पर 4 करोड़ 74 लाख 58000 की राशि से नाली, डिवाइडर, सीसी रोड व विद्युत पोल कार्य कराए जाने, नीमच सिटी रोड मुक्तिधाम पुलिया एवं नवीन सर्वधर्म वेदी स्थल पर सीसी रोड कार्य हेतु 52 लाख 44000 की स्वीकृति, जाजूसागर बांध पर 53 लाख 11000 की लागत से पिकनिक स्पॉट के एप्रोच रोड़ का निर्माण होगा ।

इसी तरह बांध पर सीसी रोड रेम्प कार्य कराए जाने के साथ ही भगवान महर्षि वाल्मीकि वाटिका में प्रतिमा के ऊपर छत्री निर्माण, पुलिस लाइन कनावटी रोड आवासीय परिसर में सड़क निर्माण, ग्वाल टोली तलैया के पास की रिक्त भूमि पर नमो पार्क विकसित करने आदि विकास कार्यों के साथ ही श्वानों की नसबंदी हेतु एनजीओ नियुक्त करने, नपा अधिकारियों कर्मचारियों को वर्दी प्रदाय करने, राजस्व शाखा की नस्तियों को डिजिटलाइजेशन करने, भूमि व्यवस्थापन के 42 प्रकरणो का अनुमोदन करने, 45 प्रकरणों का नवीनीकरण करने, नपा की विभिन्न शाखाओं में पूर्व से कार्यरत कर्मचारियों को 89-89 दिवस की स्वीकृति प्रदान करने सहित सभी 24 प्रस्ताव को परिषद के सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया।

नगर पालिका सम्मेलन में फिर हुआ हंगामा, प्रजापति ने किया विरोध

बैठक के दौरान जब सफाई व्यवस्था, कुत्तों की नसबंदी, बंगला बगीचा नामांतरण और कॉलोनियों के वैधीकरण जैसे विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई, तब विपक्ष के एकमात्र सक्रिय चेहरे योगेश प्रजापति ने कई बार बीच में आपत्ति ली, जिससे बैठक का माहौल गर्म होता चला गया।

नगरपालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा के नेतृत्व में जहां भाजपा पार्षदों ने सभी प्रस्तावों को पारित करने में सहयोग दिखाया, वहीं कांग्रेस की तरफ से बार-बार रुकावटें देखने को मिलीं। शहरवासियों का कहना है कि विपक्ष की भूमिका सवाल उठाने की जरूर है, लेकिन जब हर बैठक में केवल विरोध ही प्रमुख एजेंडा बन जाए, तो विकास योजनाएं प्रभावित होती हैं।

दरअसल, हाल के महीनों में लगभग हर बैठक में कांग्रेस पार्षद योगेश प्रजापति का यही रवैया देखने को मिला है, जब बाकी सभी पार्षद शहरहित के लिए हाथ उठाते हैं, तब वह अकेले विरोध में खड़े नजर आते हैं। नतीजतन, परिषद की बैठकें चर्चा से ज्यादा विवादों के लिए जानी जा रही हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विपक्ष का यह निरंतर टकराव न केवल परिषद की कार्यप्रणाली पर असर डाल रहा है, बल्कि शहर के विकास कार्यों में भी देरी का बड़ा कारण बन रहा है। नीमच के नागरिक अब पूछ रहे हैं "क्या हर बैठक में राजनीति की जिद शहर के भविष्य पर भारी पड़ रही है?"

हिन्दू सम्राट समाजसेवी अशोक अरोरा ने समाज प्रमुखों के साथ पंथ संचलन में की फूलों की बारिश

आतिशबाजी से गूंज उठा टैगोर मार्ग, आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर निकले पंथ संचलन में उमड़ा सर्व समाज

नीमच। स्वदेश पेपर -:राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का विजयदशमी पर्व पर शताब्दी वर्ष पूरा हुआ। गुरूवार को पंथ संचलन ने पूर्व के तमाम रिकार्ड तोड़ दिए। पंथ संचलन में कदमताल चल रहे स्वयं सेवकों की करीब तीन किलोमीटर दूरी तक लंबी कतार देखी गई। नीमच शहर के फोर जीरों के समीप युवा समाजसेवी अरूल अशोक अरोरा की तरफ से पंथ संचलन का भव्य स्वागत कार्यक्रम रखा गया। इस मौके पर हिंदू सम्राट एवं समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर ने नीमच के समाज प्रमुखों और समाजसेवियों के साथ पंथ संचलन का ऐतिहासिक स्वागत किया। आतिशबाजी, फूलों की बारिश की साथ गर्मजोशी के साथ कदमताल सेवकों का स्वागत—सत्कार करीब एक घंटे तक चला। देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए स्वयं सेवक संघ पूरे देश में तत्परता से अपना काम कर रहा है। अधर्म पर धर्म की जीत के दिन निकलने वाले पथ संचलन का समाजसेवी अशोक अरोरा ने पंथ संचलन में शामिल सैकडों समाज के पदाधिकारियों के साथ फूलों की बारिश की गई। इस पूरे समय जबरदस्त आतिशबाजी हुई।

विद्वान पंडितों द्वारा राष्ट्रहित के मंत्रोच्चार के साथ स्वागत – शहर के फोर जीरों चौराहे पर युवा समाज सेवी अरूल अशोक अरोरा द्वारा रखे गए स्वागत कार्यक्रम में राष्ट्रहित के वैद मंत्रोच्चार विद्वान पंडितों द्वारा किए गए। विद्वान पंडित विक्रम शर्मा सहित 11 बटुक ब्राह्मणों द्वारा मंत्रोच्चार किया गया। अपने आप में यह अनूठा सनातन धर्म के अनुसार स्वागत कार्यक्रम रहा।

समाजसेवी श्री अरोरा राष्ट्रहित और हिंदू धर्म के लिए हमेशा आगे – अंचल के प्रसिद्ध समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर पिछले कई दशकों से राष्ट्रहित व सनातन हिंदू धर्म के लिए हमेशा गतिविधियों में अग्रिणी है।

चाहे अयोध्या के श्री राम मंदिर का कार्यक्रम हो या फिर भोलेनाथ के सावन माह में शाही सवाही का कार्यक्रम। अंचल में होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों में भी समाजसेवी श्री अरोरा की प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सहभागिता रहती है ।

आरएसएस शताब्दी वर्ष : स्वयंसेवकों ने निकाला पथ संचलन, जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

भोपाल । मध्यप्रदेश के अधिकांश जिलों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के शताब्दी वर्ष के अवसर पर पथ संचलन निकाला गया। जहां-जहां से स्वयं सेवक कदम ताल कर निकले, वह स्थान भारत माता के जयकारों से गूंज दिए। भोपाल सहित नीमच, जावद, मनासा, जीरन, सिंगोली, रतनगढ़, मोरवन, मन्दसौर सहित कई शहर और बस्तियों में एक साथ पथ संचलन का आयोजन किया। इंदौर के पथ संचलन में आई लव आरएसएस के पोस्टर साथ लिए नजर आए। मध्यप्रदेश के सभी जिलों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के शताब्दी वर्ष के अवसर पर पथ संचलन निकाला गया। जहां-जहां से स्वयं सेवक कदम ताल कर निकले, वह स्थान भारत माता के जयकारों से गूंज दिए।

नीमच में भी निकला पंथ संचलन – राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अपने स्थापना दिवस विजयदशमी के अवसर पर नीमच शहर में एक विशाल पथ संचलन का आयोजन किया। संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इसे शताब्दी वर्ष पर्व के रूप में मनाया गया।

संचलन से पहले, शहर के क्रमांक 2 स्कूल परिसर में सभी स्वयंसेवक एकत्रित हुए। यहां ध्वज प्रणाम किया गया और अतिथियों द्वारा एक बौद्धिक सत्र संपन्न हुआ। इस सत्र में संघ के 100 वर्षों के कार्यों, देश के प्रति उसके योगदानों और सामाजिक कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

इसके बाद, मधुर घोष की धुन पर कदमताल मिलाते हुए स्वयंसेवकों का अनुशासित पथ संचलन शुरू हुआ। इस वर्ष नीमच नगर की 18 बस्तियों के 3000 से अधिक स्वयंसेवकों ने सामूहिक रूप से इसमें भाग लिया। संचलन में एक वर्ष के नन्हे स्वयंसेवक कृष्णा रामनानी से लेकर बुजुर्गों तक की भागीदारी देखने को मिली, जो विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

पूरे शहर में इस विराट संचलन का ऐतिहासिक स्वागत किया गया। लगभग 200 समाजसेवी संगठनों, समाजसेवियों और सामाजिक संस्थाओं ने जगह-जगह स्वागत द्वार लगाकर पुष्पवर्षा से अभिनंदन किया। कई स्थानों पर ड्रोन द्वारा गुलाब के फूलों की बारिश की गई, साथ ही गुलाब जल छिड़काव और आतिशबाजी भी की गई।

यह संचलन क्रमांक 2 स्कूल से शुरू होकर महेश सर्कल, कमल चौक, फवारा चौक, बस स्टैंड, खारी कुआं, इंजीनियर सर्कल, जाजू बिल्डिंग, घंटा घर, भारत माता चौराहा, विजय टॉकीज चौराहा, चोपड़ा चौराहा, अजमीढ़ चौराहा, एलआईसी रोड और समता चौराहा जैसे प्रमुख मार्गों से होते हुए विश्वकर्मा सर्कल पहुंचा और वापस क्रमांक 2 स्कूल परिसर में समाप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि आरएसएस की स्थापना 1925 में विजयदशमी के दिन नागपुर में हुई थी। संचलन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीएसपी किरण चौहान, कैंट थाना प्रभारी पुष्पा चौहान और नीमच सिटी थाना प्रभारी विकास पटेल सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे।

मन्दसौर में भव्य रूप में निकला पथ संचलन – मंदसौर में रविवार दोपहर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का स्थापना दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। हजारों की तादाद में स्वयंसेवक कदम ताल मिलाते हुए अनुशासन के साथ शहर की सड़कों पर निकले और एक भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया।

पथ संचलन की शुरुआत उत्कृष्ट स्कूल से हुई, जिसके बाद बस स्टैंड, भारत माता चौराहा, घंटाघर, सदर बाजार, प्रतापगढ़ पुलिया, वीर सावरकर पुलिया, शुक्ला चौक, नयापुरा रोड, गोल चौराहा, आनंद गरबा चौराहा, गुरुद्वारा रोड और बीपीएल चौराहा होते हुए गांधी चौराहा पहुंच कर समाप्त हुआ। इस दौरान मंदसौर वासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर पथ संचलन का स्वागत किया।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

खौफजदा हैं आपदा की त्रासदी के दृश्य, सुरक्षित करना होगा भविष्य

नरेन्द्र भारती वरिष्ठ

सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके।पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय - समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए।अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी ही होगी,छेड़छाड़ बंद करनी होगी।अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी।

आपदा की त्रासदी के दृश्य बहुत ही खौफजदा हैं भविष्य को सुरक्षित करना होगा। आपदा से सबक सीखने होगें तभी असमय होने वाली बाढ़ की घटनाओं को रोका जा सकता है। देवभूमि हिमाचल में ये आपदाओं की घटनाएं नई नहीं हैं सदियाँ गवाह हैं कि पहले भी देवभूमि में भयंकर आपदाऐं आती थी तबाही लाती थी लंकिन मानवीय तबाही नहीं होती थी क्योंकि तब आबादी कम थी गिने चुने कच्चे घर होतें थे जमीनें खाली थी पानी की निकासी आसानी से होती थी।प्रदेश में कंक्रीट के जंगल बन रहे हैं।जल इक्कठा होने से जलप्रलय होता है और जनजीवन अस्त व्यस्त हो जाता है।अवैध खनन से खडडों का स्वरुप बदल गया है। हर जगह नदी नालों के किनारे मकानों का निर्माण हो गया है। खनन हो रहा है फोरलेन के लिय पहाड़ों को अवैज्ञानिक तरीके से काटा जा रहा है।प्रकृति से अंधाधुध छेड़छाड़ हो रही है।नदियां अपना रास्ता बदल रही है और बेहिसाब तबाही मचा रही हैं।छोटे छोटे नाले भी तबाही मचा रहे है। बरसात के पानी की निकासी अवरुद्व होती जा रही है नतीजन तबाही होना स्वाभविक है। बीते सालों 2018 , 2022, 2023, 2024, में हुई तबाहीयों के जख्म अभी तक नहीं भर पाए हैं चार वर्षों से तबाही ही तबाही हो रही है। गत वर्ष 2024 में आनी के निरमंड में बादल फटने से समेज गांव में बहुत त्रासदी हुई जहां 45 लोग बेमौत मारे गए थे । 2025 में सैंज के पंग्लीयूर में एक ही परिवार के नौ लोग मारे गए है।आनी में भी एक ही परिवार के आठ लोग मकान के जमींदोज होने से जिंदा दफन हो गए। 2025 की बेरहम बरसात हिमाचल को गहरे व अमिट जख्म दे गई।जख्म तो भर जाएंगें मगर निशान अमिट रहेगें। प्रतिवर्ष मानवीय त्रासदियां हो रही हैं 2025 की बरसात सदियों तक याद रहेगी।सराज से शुरू हुए बरसात का आगाज का बहुत ही खौफनाक अंजाम हर जिला भुगत रहा है। 30 जून 2025 से लेकर 20 सितंबर तक बरसात का कहर बरपता रहा अभी कहीं कहीं छिटपुट बरसात हो रही है। सितंबर 2025 तक, हिमाचल प्रदेश में मानसून के कारण 46 बादल फटने, 98 अचानक बाढ़ और 146 बड़े भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 424 लोगों की मौत हुई है और लगभग 481 लोग घायल हुए हैं। प्रदेश को 4500 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है और 15022 संरचनाओं को क्षति हुई है, जिसमें 1502 घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं।लाचता हुए लोग अभी तक नहीं मिल रहे हैं। भयावह त्रासदी के बाद अब जीवन पटरी

पर लौटने लगा है। त्रासदी में खोये अपनों के गम में रात दिन रोते रहे लोगों की आखों के आंसू सूख चुके हैं आखें पथरा गई हैं क्योकि आखों के सामने सब उजड़ गया आशियाने उजड़ चुके हैं। अपनों को खोने का गम क्या होता है यह वही जान सकता है जिसने आखों के सामने अपनों को बहते देखा हो। तिनका तिनका बिखरा है अब मुआबजा मिलेगा तभी नए आशियाने बन सकते हैं। उम्र भर की पसीने की कमाई से बनाए घर तबाह हाक गए। पल भर में सब तबाह हो गया आलिशान आशियाने मिटटी में मिल गए अब मलवे के ढेर ही बचे हैं। जो बीत गया है वह बीत गया अब आपदा से बचने के लिए नदी नालों के किनारे निर्माण पर पूर्ण पावदीं लगानी होगी ताकि जीवन बच सके ।नये सिरे से जीवन शुरू करना होगा तबाही का मंजर याद आता है तो आत्मा सिहर उठती है। हिमाचल में किन्नौर से लेकर भरमौर तक बरसात का कहर जारी रहा।सैंकडों लोग असमय ही काल के गाल में समा गए।देवभूमि में प्रकृति ने काफी खौफनाक तांडव किया।अगस्त से सितंबर तक बरसात ने खौफनाक रौद्र रुप दिखाए है।बरसात जिंदगियां लील रही है।सैंकडों लोग मौत के आगोश में समा चुके है।आशियाने जमींदोज हो चुके हैं।बरसात ने लोगों को एक बार फिर रौद्र रुप दिखाकर तबाही का मंजर दिखाया।बरसात में कहीं भूस्खलन हो रहा था तो कहीं पहाड़ दरक रहे थे।इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा था। प्रदेश की संडकें धंस रही थी।गाड़ियां फिसल रही थी मकान जमीदोज हो रहे थे परिवार के परिवार खत्म हो रहे थे। चारों तरफ चीत्कार मची हुई थी। मानसून का कहर लोगों को मौत गया हिमाचल प्रदेश को अब तक करोडों का नुक्सान हो चुका है।मानसून के कारण हुई दुर्घटनाओं में अब तक काफी लोग अपनी जान गंवा चुके है व लोग घायल हुए हैं।मौतों से हर हिमाचली गमगीन है। भूस्खलन व बरसात के कहर से प्रदेश में अब तक काफी लोग मारे जा चुके प्रदेश में हर जिला में लोगों के कच्चे व पक्के मकान जमींदोज हो चुके है।कुल्लु ,मण्डी व किन्नौर में भी काफी नुक्सान हुआ है।प्रकृति ने एक बार फिर अपना तांड़व मचाया है। इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं।बरसात में प्रदेश में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैंकडों पशुओं की दबकर मौत हो गइ हैं।दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोडों की संपति तबाह हो गई। पहाड के मलवे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुक्सान हो रहा है।प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते है लाशे मलवे में दफन हो गई है।किन्नौर से भरमौर तक पहाड़ दरकने से लोग खौफजदा हैं।कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं।कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है।प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है। पूरे राज्य में बरसात से त्रासदी हो रही है। भीषण बाढ़ के चलते आधे से ज्यादा इस बारिश में अब तक दर्जनों लोगों की असमय मौत हो चूकी है। हिमाचल में भी बरसात का कहर रौद्र रुप दिखा रहा है। बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों केा मौत के मुंह से बचा सके ।अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है। अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके।स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रज्जेय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए।अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके।पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय -समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए।अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी ही होगी,छेड़छाड़ बंद करनी होगी।अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी।

संपादकीय

अमेरिका की राय

कश्मीर को भारत-पाकिस्तान के बीच का मामला बताते हुए अमेरिका द्वारा दोनों मुल्कों के दरम्यान कोई दबंगई न करने का इरादा जताया गया। अमेरिकी विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा प्रेस वार्ता में इस मुद्दे को भारत-पाकिस्तान पर छोडऩे की बात की। यह टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र महासभा में ट्रंप के उस बयान के बाद आई है, जिसमें भारत-पाक के बीच युद्धविराम कराने में ट्रंप की भूमिका का दावा किया गया था। हालांकि भारत सरकार ने बार-बार जोर दिया कि सीमा पार आतंकवाद जैसे मुद्दे द्विपक्षीय रहने चाहिए। अमेरिका की तरफ से यह बयान उस वक्त आया है, जब ट्रंप पाकिस्तानी हुक्मरान के साथ बैठक कर रहे हैं और रणनीतिक साझेदारी, आतंकवाद निरोधी गठबंधन व अन्य समझौतों पर हस्ताक्षर करने की तैयारी में हैं। अप्रैल में पहलगाम में आतंकी हमले में छब्बीस भारतीयों की मौत का बदला लेने के लिए मई में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर किया था जिसमें भारतीय सेना ने पीओके में घुसकर आतंकवादियों के शिविरों में हमला कर सौ से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया था। उसके बाद से ट्रंप लगातार दावा कर रहे हैं कि उनकी पहल के चलते ही संघर्ष विराम संभव हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति खुद को शांति के नोबल पुरस्कार का दावेदार बता कर विश्व शांति का मसीहा बनने का जबरदस्त प्रयास कर रहे हैं। हास्यास्पद होने व विभिन्न विद्वानों द्वारा संदिह व्यक्त किए जाने के बावजूद ट्रंप व उनके चापलूस करीबी दुनिया में जारी युद्धों को रोकने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला साबित करने में कोताही नहीं कर रहे। भारत विभिन्न मौकों में स्पष्ट कर चुका है कि कश्मीर के मुद्दे पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता कभी स्वीकार नहीं की जा सकती। अब जब अमेरिका की तरफ से टेरिफ वॉर चालू है, किसी अधिकारी द्वारा दबंगई न करने का स्पष्टीकरण देना रणनीति का हिस्सा होसकता है। व्यापार समझौतों को ढ़ाल बना कर दोनों मुल्कों के दरम्यान दशकों से चले आ रहे सीमा विवाद और पाकिस्तान में आतंकवादियों के प्रशिक्षण गाह को खत्म करने के बहाने ट्रंप बिल्लयों के झगड़े.में बंदर बनने की उतावली में नजर आ रहे हैं जो भारत को किसी कीमत पर स्वीकार्य नहीं। सहिष्णुता बरतने का यह मतलब नहीं है कि हम कड़े.कदम उठाने से हिचकते हैं। भारत अपनी शक्ति और स्थिति से अब किसी तरह का समझौता करने को राजी नहीं।

चिंतन-मनन

गुरु की स्वीकार्यता

हर वक्त संसार को गुरु की दृष्टि से देखो। तब यह संसार मलिन नहीं बल्कि प्रेम, आनन्द, सहयोगिता, दया आदि गुणों से परिपूर्ण, अधिक उत्सवपूर्ण लगेगा। तुम्हें किसी के साथ संबंध बनाने में भय नहीं होगा क्योंकि तुम्हारे पास आश्रय है। घर के अन्दर से तुम बाहर के वज्रपात, आंधी, वर्षा व कड़ी धूप देखोगे। भीतर वातानुकूलित व्यवस्था है- शीतल और शान्त। बाहर गर्मी और अशांति है पर तुम परेशान नहीं होते, क्योंकि कुछ भी तुम्हें बेचैन और विचलित नहीं कर सकता। कोई तुम्हारी पूर्णता नहीं छीन सकता। यही है गुरु का उद्देश्य। संसार के सभी संबंध उलट-पुलट हो जाते हैं। संबंध बनते हैं और टूटते हैं। यहां राग भी है, द्वेष भी। यही संसार है। पर गुरु कोई संबंध नहीं, गुरु की मौजूदगी होती है। गुरु का सान्निध्य अनुभव करो। गुरु को अपने संसार का अंश मत बनाओ। संसार का हिस्सा बनाते ही, वही अप्रिय भावनाएं उठती हैं- उन्होंने ऐसा कहा, उन्होंने ऐसा नहीं कहा, वह उनका अधिक प्रिय है, मैं नहीं हूं। जीवन में गुरु का सान्निध्य सभी संबंधों में पूर्णता लाता है। यदि गुरु के निकट अनुभव नहीं कर रहे, तो यह तुम्हारे मन, धारणा, अहंकार के कारण है।

जो कुछ भी महत्वपूर्ण है, अंतरंग है, उसे गुरु के साथ बांटो। जो तुम्हारे लिए महत्वपूर्ण है, आंतरिक है, जब तक तुम उसे गुरु को नहीं व्यक्त करते, तब तक निकटता का अनुभव नहीं कर सकते। आप कैसे हैं? गुरु से हृदय खोलकर मन की गहराइयों में समाई अपने जीवन की आंतरिक व महत्वपूर्ण बातें करो। महत्वहीन या सांसारिक बातें न करो। यदि तुम गुरु के साथ निकटता अनुभव नहीं कर रहे, तो गुरु की आवश्यकता ही क्या है? वह तुम्हारे लिए केवल एक और बोझ है। बस, उसे अलविदा कह दो। तुम गुरु के साथ हो ताकि तुम गुरु के आनन्द में सहभागी हो, उनकी चेतना के सहभागी। इसके लिए पहले तुम्हें अपने आप को खाली करना है, जो पहले से है, उसे गुरु को दे देना है। मन में जितना भी कूड़ा हो, किसी भी प्रकार का, गुरु लेने के लिए तैयार हैं। तुम जैसे भी हो, गुरु तुम्हें स्वीकार कर लेंगे। वे अपनी ओर से बांटने को तैयार हैं- तुम्हें केवल अपनी ओर से तैयार होना है।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल तोड़कर सीएम राइज स्कूल बनाने का विरोध

नीमच में छात्रों ने विधायक आवास घेरा, अधिकारियों के आश्वासन पर खत्म हुआ प्रदर्शन

नीमच । शासकीय बालक उच्च माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 की इमारत को सीएम राइज स्कूल के निर्माण के लिए तोड़े जाने की सूचना से भड़के छात्र-छात्राओं ने रविवार दोपहर बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। छुट्टी होने के बावजूद बड़ी संख्या में विद्यार्थी सड़क पर उतर आए और विधायक दिलीप सिंह परिहार के निवास के बाहर बैठ गए। इस दौरान घंटों नारेबाजी हुई।

पढ़ाई प्रभावित होने और बस सुविधा की चिंता – छात्रों ने कहा कि यह स्कूल क्षेत्र का एक प्रमुख और पुराना शिक्षा केंद्र है। इसे तोड़े जाने से उनकी पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित होगी। छात्रों ने भवन को 'केवल दीवारों का ढांचा नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों की नींव' बताया।

विरोध का एक मुख्य कारण यह भी था कि उन्हें वर्तमान सीएम राइज स्कूल में सुबह की शिफ्ट में शिफ्ट किया जा रहा है। गांव से आने वाले विद्यार्थियों ने चिंता जताई कि बस सुविधा नहीं होने के कारण उन्हें समय पर पहुंचना मुश्किल होगा। छात्रों ने मांग की है कि क्रमांक 2 स्कूल में सीएम राइज स्कूल नहीं बनाया जाए, बल्कि इसे अन्य स्थान पर बनाया जाए।

मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासन के अधिकारी – स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कैंट थाना पुलिस, एसडीएम संजीव साहू, तहसीलदार और जिला शिक्षा अधिकारी एस.एम. मांगरिया सहित कई अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और छात्रों को समझा-बुझाकर विरोध खत्म कराया।

विधायक दिलीप सिंह परिहार ने क्रमांक 2 की भूमि को शासन स्तर पर सीएम राइज विद्यालय के लिए चयनित किया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि 'बच्चों के भविष्य और बेहतर शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए उनकी सुविधाओं और पढ़ाई पर कोई विपरीत असर नहीं पड़ने दिया जाएगा।

जिला शिक्षा अधिकारी मांगरिया ने भी छात्रों को बेहतर शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस योजना को आवश्यक बताया।

सर्व रोग जांच एवं निःशुल्क परामर्श शिविर, विशेषज्ञ डॉक्टर करेंगे उपचार

नीमच । इंनरव्हील क्लब ऑफ नीमच डायमंड एवं पैसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, भीलो का बेदला के संयुक्त तत्वावधान में "सर्व रोग जांच, परामर्श एवं भर्ती शिविर" का आयोजन आगामी रविवार, 12 अक्टूबर 2025 को किया जा रहा है। यह शिविर प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक सी.एस.वी. अग्रोहा भवन, गोमाबाई रोड, नीमच पर आयोजित होगा। शिविर में सभी प्रकार की बीमारियों की निःशुल्क जांच, परामर्श एवं भर्ती की सुविधा उपलब्ध रहेगी। साथ ही, चयनित मरीजों के निःशुल्क ऑपरेशन एवं उपचार भी पैसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर में किए जाएंगे। विभिन्न विभागों जैसे नेत्र रोग, अस्थि रोग, नाक-कान-गला रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, हृदय एवं ब्लड प्रेशर रोग, त्वचा रोग, शिशु रोग, दंत रोग, जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी आदि में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श, जांच व ऑपरेशन की सुविधा दी जाएगी। शिविर में चयनित रोगियों को उदयपुर लाने-ले जाने, नाश्ता एवं भोजन की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी।

कांग्रेस पार्षद सोनगिरा पर FIR

नीमच । जिले के जीरन में दशहरा उत्सव समिति के मंच पर हुए अश्लील डांस को लेकर उठे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस मामले में कांग्रेस पार्षद पुष्पेंद्र सिंह सोनगिरा के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। दरअसल, 1 अक्टूबर की रात नगर परिषद जीरन में दशहरा मेले के दौरान महिला कलाकारों ने कथित तौर पर कम कपड़ों में फिल्मी गानों पर अश्लील डांस किया, जिसमें उनके साथ एक युवक भी नाच रहा था। रात लगभग 12 बजे, जीरन निवासी भेरूलाल अहिरवार ने इस पर आपत्ति जताई, जिसके बाद मंच पर मौजूद वार्ड क्रमांक 7 के कांग्रेस पार्षद पुष्पेंद्र सिंह सोनगिरा से उनकी कहासुनी हो गई। विवाद जल्द ही मारपीट में बदल गया। घटना के बाद, भेरूलाल अहिरवार ने साथियों के साथ थाने पहुंचकर पार्षद सोनगिरा के खिलाफ जातिसूचक गालियां देने और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया। जीरन थाना प्रभारी उमेश यादव ने अश्लील डांस की शिकायत मिलने से इनकार किया, लेकिन यह पुष्टि की है कि मारपीट के आरोप में पार्षद के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है ओर जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

नीमच सिटी में मशाल जुलूस निकला

शरद पूर्णिमा पर रुंडी में रावण दहन हुआ, पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद

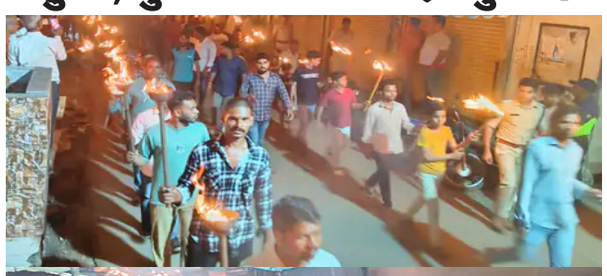

नीमच । नीमच सिटी में शरद पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार रात पारंपरिक मशाल जुलूस निकाला गया। रावण रुंडी में रावण दहन के बाद आयोजित इस जुलूस में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। यह आयोजन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।मशाल जुलूस सोमवार रात करीब 10 बजे प्रताप चौक स्थित नृसिंग मंदिर से शुरू हुआ।

यह नयाबाजार, ग्वालमोहल्ला, पिपली चौक, मोची मोहल्ला, जूना बाजार, कचहरी और कोर्ट मोहल्ला जैसे प्रमुख मार्गों से गुजरा और वापस नृसिंग मंदिर पर समाप्त हुआ।जुलूस की एक खास बात यह रही कि इसके मार्ग पर लोगों ने स्वेच्छा से अपने घरों और दुकानों की सभी लाइटें बंद कर दी थीं। घोर अंधेरे में मशालों का प्रकाश एक विशेष दृश्य प्रस्तुत कर रहा था।

जुलूस में सबसे आगे पुलिस का वाहन, अधिकारी और पुलिसकर्मी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए चल रहे थे। उनके पीछे भारी संख्या में युवा हाथों में मशालें लिए पारंपरिक नारेबाजी करते हुए जोश के साथ आगे बढ़ रहे थे। जुलूस के पीछे भी बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात था, जिससे पूरी व्यवस्था चाक-चौबंद रही।

इस दौरान एसडीएम संजीव साहू, सीएसपी किरण चौहान, तहसीलदार, नीमच सिटी थाना प्रभारी विकास पटेल और बघाना थाना प्रभारी निलेश अवस्थी सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मुस्तैद रहे। उनकी सक्रिय उपस्थिति में यह पारंपरिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

ज्ञानमंदिर विधि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने जाना थाने में कैसे होती है, कानूनी प्रक्रिया

नीमच। आपराधिक गतिविधियों के रोकथाम के लिए पुलिस किस तरह काम करती है, अपराधियों को किस तरह गिरफ्तार किया जाता है, उन्हें लॉकअप में किस प्रकार और कब तक रखा जा सकता है पुलिस द्वारा हथियारों का उपयोग किस प्रकार किया जाता है, प्रथम सूचना रिपोर्ट से न्यायालय में अपराधी को उपस्थित किये जाने तक की प्रक्रियात्मक कार्यप्रणाली आज शनिवार को ज्ञानमंदिर लॉ कॉलेज के विद्यार्थियों ने नीमच कैंट पुलिस थाने पहुँच कर प्राचार्य डॉ. विवेक नागर के मार्गदर्शन में डॉ. वर्षा काछवाल एवं श्रीमति कीर्ति कौशिक द्वारा विद्यार्थियों को पुलिस कार्यप्रणाली के व्यवहारिक ज्ञान से अवगत करवाये जाने हेतु विजिट करवायी गयी। पुलिस थाना विजिट के दौरान कैंट थाना प्रभारी पुष्पा चौहान एवं उपनिरीक्षक दीवान सिंह चौहान एवं मनोज तिवारी ने विद्यार्थियों को

विस्तार पूर्वक बताया, कि पुलिस द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट कैसे दर्ज की जाती है, चार्टशीट तैयार करके अभियुक्त को न्यायालय में उपस्थित करने तक की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया। विद्यार्थियों ने यह भी जाना कि गिरफ्तार अभियुक्त को किस प्रकार रखा जाता है और किस प्रकार पूछताछ की जाती है उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार अपराध होने पर अन्वेषण किया जाता है और न्यायालय में चालान प्रस्तुत होने के बाद पुलिस अधिकारी की क्या भूमिका होती है। विद्यार्थियों को उक्त विजिट से प्राप्त व्यावहारिक ज्ञान के लिए महाविद्यालय प्रबंधन ने थाना प्रभारी का आभार व्यक्त किया।

औषधि निरीक्षक ने नीमच में मेडिकल दुकानों का किया निरीक्षण, कफ सिरप के पांच नमूने लिए

नीमच । कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देशन एवं उपसंचालक औषधि प्रशासन नीमच डॉ आर के खद्योत के मार्गदर्शन में औषधि निरीक्षक नीमच शोभित तिवारी ने सोमवार 6 अक्टूबर.2025 को नीमच में औषधि विक्रय संस्थानों पर Coldrif सिरप के स्टॉक की उपलब्धता की जाँच की । औषधि निरीक्षक नीमच द्वारा सुनील मेडिकल एजेंसी, नीमच विहान ड्रग हाउस, नीमच ,श्री जिन कुशल इंटरप्राइजेज, नीमच पारस मेडिकल एजेंसी, नीमच , राम मेडिकल एजेंसी, नीमच , गायत्री मेडिकल स्टोर, नीमच एवं पाटीदार केमिस्ट, नीमच का निरीक्षण कर जांच की गई।

ड्रग इंस्पेक्टर तिवारी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि निरीक्षण के दौरान उक्त किसी भी फर्म में मेसर्स Sresan Pharmaceuticals द्वारा निर्मित Coldrif Syrup (बैच नं. SR-13) का स्टॉक नहीं पाया गया | संबंधित फर्म के संचालकों ने उन्हें अवगत कराया कि उनके द्वारा Coldrif Syrup सहित मेसर्स Sresan Pharmaceuticals के किसी भी प्रोडक्ट का क्रय-विक्रय एवं संधारण नहीं किया गया है।

इसके साथ ही ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा गुणवत्ता परीक्षण हेतु बच्चों के लिए उपयोग होने वाले cough सिरप सहित कुल 5 सिरप के नमूने लिए गए है ।

जिन्हें परीक्षण के लिए राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। प्रयोगशाला से जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने पर आगामी कार्यवाही की जाएगी ।

कार्यालय खाद्य एवं औषधि प्रशासन जिला नीमच द्वारा सभी औषधिं विक्रेताओं को मेसर्स Sresan Pharmaceuticals द्वारा निर्मित किसी भी औषधि को विक्रय ना करने के स्पष्ट निर्देश दिए गये है। दवाई दुकानों के निरीक्षण की यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी

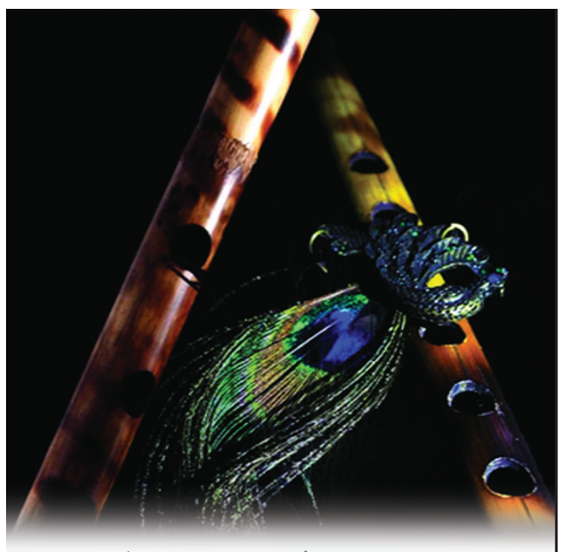

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

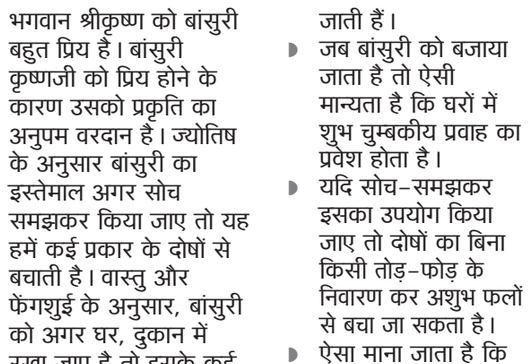

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनुसुरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडकर उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

गोमेद
एक खूबसूरत रत्न
जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अत- ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता है, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं। कौन ना पहने ये रत्न- जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

मासूमों को जहरीला 'कफ सिरप' लिखने वाला डॉक्टर गिरफ्तार, कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज

14 बच्चों की मौत के बाद एमपी में बड़ा एक्शन

नई दिल्ली । मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में संदिग्ध रूप से गुर्दों के काम करना बंद कर देने के कारण 14 बच्चों की मौत होने के बाद पुलिस ने लापरवाही के आरोप में एक चिकित्सक को गिरफ्तार किया है और जहरीले 'कफ सिरप' की निर्माता कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया है. मध्य प्रदेश सरकार ने 'कोल्ड्रिफ कफ सिरप' की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है. अधिकारियों के मुताबिक, दवा के नमूनों में अत्यधिक जहरीला पदार्थ पाया गया है. जिन बच्चों की मौत हुई है उनमें से 2 छिंदवाड़ा शहर से, एक चौरई तहसील से और 11 परासिया उप-संभाग से थे ।

पुलिस अधीक्षक अजय पांडे ने पत्रकारों को बताया कि श्रीसन फार्मास्युटिकल्स, कांचीपुरम (तमिलनाडु) द्वारा निर्मित कोल्ड्रिफ को परासिया में 11 बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है. उन्होंने बताया कि कंपनी और डॉ. प्रवीण सोनी के खिलाफ परासिया

पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है. डॉ. सोनी यहां सरकारी चिकित्सक होने के बावजूद एक निजी क्लिनिक चलाते थे और उन्होंने सिरप लेने का परामर्श दिया था ।

आरोपी चिकित्सक गिरफ्तार, कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज – उन्होंने बताया कि कोतवाली पुलिस की एक विशेष टीम ने डॉ. सोनी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद शनिवार देर रात छिंदवाड़ा के राजपाल चौक से उन्हें गिरफ्तार किया. चिकित्सक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. उन्होंने लापरवाही भरा रवैया दिखाया और लगभग एक महीने तक बच्चों पर इसके प्रतिकूल प्रभाव के बाद भी दवा लिख दी. सिरप की आपूर्ति करने के लिए निर्माता कंपनी पर भी जांच रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया गया है ।

डॉ. प्रवीण सोनी तत्काल प्रभाव से किया निलंबित – लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने एक आदेश में कहा, 'मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर छिंदवाड़ा जिले के परासिया में पदस्थ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है. सोनी को जबलपुर में स्वास्थ्य विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय से संबद्ध किया गया है ।

इन धाराओं में मामला किया दर्ज – बता दें कि मुख्यमंत्री यादव ने शनिवार देर रात कहा था कि राज्य सरकार इस घटना को गंभीरता से ले रही है और मौतों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी ।

कंपनी एवं चिकित्सक पर भारतीय दंड संहिता की धारा 276 (औषधियों में मिलावट), धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 27 ए के तहत मामला दर्ज किया गया है ।

चांदी के बोलने वाले सिक्के की डिमांड हाई

भोपाल । सोना-चांदी के भाव भले ही आसमान पर हो लेकिन भोपाल वासियों की त्योहारी भक्ति कम नहीं हुई है। बाजार में पहली बार देवी-देवताओं की आकर्षक मूर्तियों की डिमांड सबसे ज्यादा है। इन मूर्तियों को बेक्स (मोम) से बनाकर उन पर चांदी का कवर चढ़ाया गया है। इसलिए ये चांदी की प्रतिमाएं काली नहीं पड़ेगी। इन्हें 99 फीसदी चांदी से तैयार करवाया गया है। ये साउथ से आयी है। इसके साथ ही इस बार मार्केट में चांदी के बोलने वाले सिक्के बाजार में आए हैं, जिसकी डिमांड हाई है। दीपोत्सव से पहले सराफा बाजार में ग्राहकी तेज है। हालांकि, सोना-चांदी के भाव ज्यादा ऊपर हैं। फिर भी बजट बढ़ाकर इनकी खरीदी हो रही है। हां, कम वजन वाले गहने ज्यादा खरीदे जा रहे हैं। पूजन के लिए इस बार चांदी की (बेक्स पर बनी) मूर्तियां खूब बिक रही हैं। सोने का भाव इस समय 1.22 लाख रुपए प्रति दस ग्राम एवं चांदी 1.53 लाख रुपए प्रति किलो के आसपास है। ऐसे में निवेश की दृष्टि सेडिमांड बनी हुई है।

आपदा पीड़ित किसानों के लिए पूर्व विधायक नंदकिशोर पटेल की मांग

राहत राशि के नाम पर छले गये किसानों को अब मिले 54 हजार रु प्रति हेक्टेयर फसल बीमा क्लेम

- **जिले के 69 हजार 476 किसानों ने 99 हजार 848 हेक्टेयर रकबे का 10 करोड़ 71 लाख 70 हजार 765 रुपये जमा कर करवाया हैं अपनी फसल का बीमा का प्रीमियम**
- **सोयाबीन फसल के नष्ट होने से आहत किसानों को अब निर्धारित 54 हजार रु प्रति हेक्टेयर के हिसाब से अविलम्ब मिले निर्धारित फसल बीमा क्लेम**

नीमच । क्षेत्र के वरिष्ठ इंका नेता और नीमच के पूर्व विधायक नंदकिशोर पटेल ने मानसून सत्र के दौरान नीमच जिले में अति वर्षा और पीली मोजेक से सोयाबीन फसल की पूर्ण तबाही से आहत किसानों के लिए प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत राहत राशि को अल्पतम और छलावा निरूपित करते हुए मांग की है कि जिले के बीमित किसानों को अब नुकसानी की मात्रा के हिसाब से प्रति हेक्टेयर 54 हजार रु बीमा क्लेम राशि अविलंब दिलाया जाए।

यहां जारी बयान में पटेल ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से जिले के करीब 1 लाख 60 हजार किसानों की सोयाबीन फसल लगभग पूरी तरह नष्ट हो जाने से प्रति हेक्टेयर उपज हेतु किसानों द्वारा खर्च किये गए हजारों रु का खुला नुकसान हुआ हैं। लेकिन सरकार ने नीमच जिले में मात्र 33 से 50 प्रतिशत नुकसान ही मानते हुए 1 लाख 41 हजार किसानों के लिए प्रति हेक्टेयर करीब 7300 रु के मान से मात्र 119.6 करोड़ रु की राहत राशि ही स्वीकृत की हैं जो यथार्थ बड़े नुकसान की तुलना में साफ तौर पर छलावा हैं।

पटेल ने कहा कि,अगर सरकार नीमच जिले में सोयाबीन फसल में वास्तविक रूप से हुए 70 प्रतिशत से अधिक नुकसान के हिसाब से राहत राशि तय करती तो जिले के किसानों को प्रति हेक्टेयर के लिए करीब 17 हजार रू के हिसाब से 275 करोड़ रु अधिक सहायता राशि दी जानी चाहिए थी।प्रसंगवश उल्लेख है कि कांग्रेस की तत्कालीन कमलनाथ सरकार ने नीमच जिले में वर्तमान के मुकाबले कम क्षति के बावजूद 220 करोड़ रु से अधिक की राशि स्वीकृत की थी।

इसमें अकेले नीमच विधानसभा क्षेत्र के 48 हजार 980 किसानों के लिए 82 करोड़ 75 लाख 53 हजार 486 रू स्वीकृत हुए थे। इस तरह तुलनात्मक रूप से आँकलन करें तो वर्तमान भाजपा सरकार सोयाबीन फसल में वास्तविक रूप से हुए व्यापक नुकसान को अनदेखा कर केवल दिखावे के लिए मनमाने ढंग से अल्पतम राहत राशि देकर किसानों के साथ छलावा ही कर रही हैं जो कथनी और करनी में भेद को उजागर करता हैं।

छलावे के शिकार जिले के पीड़ित किसानों को अब अविलंब मिले पूर्ण बीमा क्लेम – पटेल ने कहा कि, सरकारी स्तर पर राहत राशि के नाम पर चले गये छले गए जिले प्राकृतिक आपदा से पीड़ित किसानों के साथ यह न्यायसंगत होगा कि सरकार उनकी क्षतिग्रस्त फसल के लिए अविलंब निर्धारित पूर्ण बीमा क्लेम राशि दिलाने के लिए सकारात्मक हस्तक्षेप करें। विदित है कि खरीब फसल 2025 के तहत नीमच जिले के 69 हजार 476 किसानों ने 10 करोड़ 71 लाख 70 हजार 765 रुपए प्रीमियम जमा करवा कर 99 हजार 848 हेक्टेयर रकबे का फसल बीमा करवाया हैं। पटेल ने कहा कि,राष्ट्रीय फसल बीमा योजना अंतर्गत नीमच- मंदसौर जिलों के लिए सरकार द्वारा अधिकृत प्रायवेट बीमा कम्पनी एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया के तहत हुए बीमा अनुसार नीमच जिले में सोयाबीन फसल हेतु 54 हजार रु प्रति हेक्टेयर बीमा राशि निर्धारित की गई हैं। इसका स्पष्ट अर्थ यह है कि, फसल नष्ट होने पर सम्बद्ध किसान को इस हिसाब से बीमा क्लेम राशि प्रदान की जाएगी।

पटेल ने कहा कि, पूर्वानुभव कहते हैं कि, प्रायवेट बीमा कंपनियों की कार्य प्रणाली किसानों की भलाई के बजाय खुद के स्वार्थ साधने की रहती हैं।

पिछले वर्षों में देखा गया है कि, बीमा कंपनियों ने वास्तविक नुकसान को अनदेखा कर नियमों की झोल दिखाते हुए पीड़ित किसानों को कुल जमा प्रीमियम से भी कम बीमा राशि प्रदान की हैं। वर्ष 2025 खरीफ फसल सत्र में सोयाबीन फसल में हुई भारी नुकसान के बाबजूद किसानों के साथ फिर बीमा कम्पनी अन्याय न करें यह देखना सरकार की जिम्मेदारी हैं।

पटेल ने मांग की है कि, मध्यप्रदेश सरकार प्राकृतिक आपदा से तबाह हुए जिले के बीमित किसानों के हितों को ध्यान में रख कर आगे आये और नुकसानी की भारी मात्रा को देखते हुए बीमा कम्पनी से प्रत्येक पात्र बीमाधारी किसान को 54 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से अविलंब निर्धारित बीमा क्लेम राशि दिलाना सुनिश्चित करें। इस बारे में किसी प्रकार की ढिलाई राहत राशि वितरण को लेकर किसानों के साथ किये गए सरकारी छल का ही विस्तार होगा जिसके विरुद्ध कांग्रेस आंदोलन करेंगी।

महिला के साथ दुष्कर्म व नाबालिग पुत्री के साथ छेड़छाड़ करने का आरोपी सद्दाम मंसुरी गिरफ्तार

अठाना । महिला को अपना झूठा नाम पता बताकर उसे बहलाकर महिला के साथ दुष्कर्म करने व महिला की पुत्रियों के साथ छेड़छाड़ करने के आरोपी सद्दाम मंसूरी को सदर चित्तौड़गढ़ थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि सदर चित्तौड़गढ़ थाना क्षेत्र के निवासी एक व्यक्ति ने 27 सितंबर को अपनी पत्नि व बच्चीयो के घर पर नही मिलने से सदर थाना क्षेत्र में गुमशुदगी दर्ज करवाकर अपने व्यवसाय पार्टनर संजय कुमावत उर्फ सद्दाम मंसुरी के साथ जाने की आंशका कर रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। प्रकरण की घटना के सन्दर्भ में एएसपी सरिता सिंह के निर्देश पर डीएसपी चित्तौड़गढ़ विनय चौधरी व थानाधिकारी सदर चित्तौडगढ निरंजनप्रताप सिह पुलिस निरीक्षक द्वारा गुमशुदा महिला की तलाश हेतु एएसआई शंकर लाल, कानि. लोकेश कुमार व मंजु की टीम गठन कर साईबर टीम से सहायता प्राप्त कर गुमशुदा पत्नि व पुत्रियो की तलाश करते हुए टीम ने प्रार्थी की गुमशुदा पत्नि को उसकी दो पुत्रियो सहित मोरवी (गुजरात) से दस्तायाब कर थाना सदर चित्तौडगढ लाकर सिपुर्द की गई। महिला ने लिखित रिपोर्ट पेश कर बताया कि सद्दाम मंसुरी निवासी काचरिया चन्द्रावत थाना पिपलिया मंडी जिला मंदसौर (एम. पी.) ने उसे अपना नाम संजय कुमावत (झुठा नाम) बताकर उससे दोस्ती करी उसके बाद डराधमका कर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया तथा प्रार्थीया की नाबालिग पुत्री के साथ छेडछाड की गई। महिला की रिपोर्ट पर दुष्कर्म व पोक्सो में प्रकरण दर्ज कर उक्त पुलिस टीम द्वारा आरोपी 32 वर्षीय सद्दाम मंसुरी पुत्र मोहम्मद हुसैन मन्सुरी निवासी फाचरिया चन्द्रावत निवासी पिपलिया मण्डी थाना पिपलिया मण्डी जिला मन्दसौर (एम.पी.) की सरगर्मी से तलाश कर दस्तयाब कर बाद पुछताछ पोक्सो एक्ट में गिरफ्तार किया। जिसे पोक्सो न्यायालय में पेश किया जाकर पुलिस रिमाण्ड पर लिया जाकर अनुसधान जारी है।

पुलिस टीम – थानाधिकारी सदर चित्तौडगढ निरंजन प्रताप सिंह, एएसआई शंकर लाल, कानि. पृथ्वीपाल, डूंगर सिंह, लोकेश, मंजू व साइबर सेल के हैड कानि. राजकुमार, कानि. रामावतार व मनीष।

प्रशासन के दल ने गांधी सागर में रेत का अवैध उत्खनन करते तीन फाइटर एवं दो नाव जप्त

नीमच । गांधीसागर डेम में रेत का अवैध उत्खनन करते 3 फाईटर 2 छोटी नावे का विनिष्टीकरण किया गया नीमच 6 अक्टूबर 2025 मनासा क्षेत्र के गांधीसागर डेम के डूब क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन की प्राप्त हो रही शिकायतों पर प्रशासन द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। सहायक खनिज अधिकारी श्री गजेंद्र डाबर ने बताया कि 06. अक्टूबर 2025 को खनिज एवं राजस्व विभाग द्वारा कार्यवाही की गई । अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मनासा श्रीमति किरण आंजना, जिला खनिज अधिकारी श्री गजेन्द्र सिंह डावर, तहसीलदार मनासा श्री मुकेश निगम, राजस्व निरीक्षक, हल्का पटवारी एवं खनि सर्वेयर श्री सुनिल जाधव के दल ने संयुक्त रूप से ग्राम खानखेडी, एवं राजपुरा क्षेत्र में छापामार कार्यवाही कर , रेत का अवैध उत्खनन करते हुए कुण्डला एवं खानखेडी में 01 फाईटर मशीन जप्त की गई तथा ग्राम राजपुरा क्षेत्र से 2 फाईटर एवं 02 छोटी नावो को जप्त किया गया है। खनिज अधिकारी श्री डाबर ने बताया कि जप्त फाइटर एवं नावों का विधिवत नष्ट करने की कार्रवाई की गई हैं।

30 मंत्री और 200 अधिकारी तय करेंगे प्रदेश का विकास रोडमैप

भोपाल। प्रदेश में अगले एक वर्ष में विकास के कौन-कौन से काम प्राथमिकता के आधार पर होंगे, इसका रोडमैप मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में तय किया जाएगा। इसके लिए सात और आठ अक्टूबर को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दो दिवसीय कलेक्टर-कमिश्नर, आइजी-एसपी कॉन्फ्रेंस होगी। इसमें 30 मंत्री और 200 अधिकारी शामिल होंगे।

अनुभव होगा साझा – केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं पर वरिष्ठ अधिकारी प्रस्तुतीकरण देंगे और कलेक्टर अपने मैदानी अनुभव साझा करेंगे। पहली बार नगर निगम आयुक्त और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी बैठक में शामिल हो रहे हैं। कोरोना महामारी के बाद यह पहला अवसर है, जब सभी अधिकारियों को एक साथ भोपाल बुलाया गया है। हाल ही में 16 जिलों में नए कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ नियुक्त हुए हैं। नगर निगम कमिश्नर भी बदले गए हैं। ऐसे में सरकार चाहती है कि उसकी प्राथमिकताएं नए अधिकारियों तक स्पष्ट रूप से पहुंचे और योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याएं भी उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आएं। कांफ्रेंस में तीन माह की कार्ययोजना तैयार होगी। इसकी शुरुआत मुख्यमंत्री के संबोधन से होगी, जिसमें वह सरकार की प्राथमिकताओं के साथ लक्ष्यों को भी स्पष्ट करेंगे।

12th के बाद
सफर जोश का मंजिल कामयाबी की
MPPSC, SSC, BANK
रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए
और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी, SP, DSP, CID इंस्पेक्टर,CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट, इन्कम टेक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये
सोनी कोचिंग क्लासेस
ISO 9001 : 2008 Certified
22 वर्षों का अनुभव।
1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास, भागेश्वर मंदिर रोड,नीमच मो. 9300905061

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए
मात्र रु 45990/- रु 41,990/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ
मात्र रू.41,990/- से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...
INTRODUCING KNIGHT+
#BuiltToPerform
RTO मॉडल मात्र
रु 81000/- रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.)
3 साल बैटरी की वारंटी के साथ
Zelo Electric Scooter
बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 9407423999, 8770664866

नीमच में चक्रधारी श्रीकृष्ण अहीर यदुवंशी चौराहा बनाने की मांग

अहीर समाज ने निर्माण कराने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

नीमच । अहीर नारायणी सेना के बैनर तले अहीर समाजजनों ने सोमवार दोपहर नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन 'चक्रधारी श्रीकृष्ण अहीर यदुवंशी चौराहा' के निर्माण की मांग को लेकर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष स्वगति चोपड़ा को दिया गया।

सेना के प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन में मांग की है कि नीमच नगर के प्रमुख स्थान पुरानी मंडी गेट के सामने, स्टेशन रोड पर इस चौराहे का निर्माण किया जाए। प्रतिनिधियों ने बताया कि यह स्थान नगर के मुख्य मार्गों में से एक है।

समाजजनों के अनुसार, इस चौराहे के निर्माण से अहीर समाज को सामाजिक प्रतिनिधित्व मिलेगा और नगर की सांस्कृतिक विविधता को भी बढ़ावा मिलेगा।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि अहीर यदुवंशी समाज यह मांग लंबे समय से कर रहा है, जिसे अब मूर्त रूप देने की आवश्यकता है।

समाजजनों ने अध्यक्ष से इस प्रस्ताव को स्वीकृति देकर आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई जल्द प्रारंभ करने की अपील की है। इस अवसर पर समाज के अनेक लोग और संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

GYANODAYA UNIVERSITY
& GROUP OF INSTITUTES
ADMISSION ANNOUNCEMENT FOR THE SESSION 2025-26
Pharmacy: D.Pharm, B.Pharm, M.Pharm
Nursing: B.Sc. Nursing, GNM Nursing, Post Basic Nur.
Paramedical: BPT, BMLT, DMLT, OT/X-Ray
Management: BBA, MBA, B.Com, M.Com
Comp. Science: BCA, MCA, DCA, PGDCA
Engineering: B.Tech (CSE), B.Tech (Elect.), B.Tech (Mech.), B.Tech (Civil), B.Tech (Fire & Safety)
Polytechnic: Electrical, Mechanical, Civil, Comp. Sci.
Agriculture: B.Sc.(Ag)
Veterinary: Diploma in Animal Husbandry
Science: B.Sc. (PCMBZ/Biotech/Microbio/CS), M.Sc. (Maths/CS/Chemistry/Physics/Bio.)
Art & Humanities: BA (Plain/ Journalism and mass communication), MA (Hindi/Eng./Psyco./Sociology Political Sci./Eco./Education)
Engineering: M.Tech (CSE/IEM/Energy Tech)
Social Work: BSW, MSW
Lib. Science: B.Lib, M.Lib
Education: B.Ed, D.El.Ed
Hospital Mgmt: MBA in Hospital & Health Care Management
Ph.D: All Subjects
Diploma Courses: YOGA, Diet. & Nutrition
Highest Package 12.75 Lac
Average Package 4.75 Lac
11,000+ Placements
25,000+ Alumni
For Admission & Enquiry
Gram: Kanawati, Neemuch (M.P.)
Call: 98275 50959 | 91797 98821
www.gyanodayauniversity.ac.in | www.gyanodayanmh.in

प्रदेश में अब सीएम हेल्पलाइन में दर्ज होंगे जनसुनवाई के आवेदन, मुख्यमंत्री हर महीने करेंगे समीक्षा

भोपाल । मध्य प्रदेश में जनसुनवाई के आवेदन अब सीएम हेल्पलाइन में दर्ज किए जाएंगे और समस्या का निर्धारित समय सीमा में निराकरण का प्रयास किया जाएगा। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं और कहा कि आम जन की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान किया जाए।

सभी विभाग प्रमुखों, संभागायुक्तों एवं जिला कलेक्टरों से कहा गया है कि वे जनसुनवाई में आने वाले आवेदनों को सीएम हेल्पलाइन में भी दर्ज करें, जिससे इन आवेदनों का निराकरण त्वरित गति से पूर्ण रूप से किया जा सके। दरअसल, राज्य सरकार के पास यह तथ्य आया था कि कुछ जिलों द्वारा जनसुनवाई के आवेदनों को सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज नहीं किया जा रहा है तथा कई जिलों द्वारा आवेदन पूर्ण रूप से पोर्टल पर दर्ज नहीं किए जा रहे हैं। इसलिए इसका कड़ाई से पालन करने के लिए कहा गया है।

मुख्यमंत्री स्वयं सीएम हेल्पलाइन पर भेजी जाने वाली शिकायतों की प्रतिमाह समीक्षा करेंगे। बता दें कि मुख्यमंत्री डा. यादव समाधान आनलाइन कार्यक्रम में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा कर त्वरित कार्रवाई भी कर रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।